कश्यप समाज के अग्रणी नेता **मनोज कश्यप** जी का जन्म दिल्ली में एक साधारण से परिवार में हुआ। पिता सरकारी कर्मचारी थे जोकि मात्र मनोज कश्यप की 9 वर्ष की आयु में ही अपने अंश को अकेला छोड़ गए। शिक्षा के साथ-साथ मनोज कश्यप ने परिवार व सामाजिक उत्थान की ललक को मन में संजोए रखा। आज उसी कारण से देश में **14 करोड़ मछुआरों** के उत्थान के विषय में वह सदैव चिंतित रहते है कश्यप(निषाद) समाज देश में अति पिछड़ों/अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति की श्रेणी में आता है ऐसे कई राज्य है जिसमें मछुआरों से सम्बन्धित कुछ जातियों को अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति की श्रेणी में रखा गया है श्री कश्यप इस मछुआरे वर्ग को राज्य के अनुसार अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के पक्ष में है तथा सारे देशभर में अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति के सभी पर्यायवाचियों को सदैव एकरूप में देखना चाहते है जिसका लाभ देशभर के सारे मछुआरा समाज को मिल पाये। श्री कश्यप अपना प्रेरणास्त्रोत बाबू जयपाल सिंह कश्यप को मानते है और उन्हीं के आदर्शो पर चल देश के करोड़ो की जनसंख्या वाले इस वर्ग को संगठित, शिक्षित व उन्नत बनाते हुए संकल्परत है हम सभी स्वजाति बंधुओं में प्रांतवाद ना रहे बल्कि राष्ट्रभक्ति व स्वाभिमान जागृत हो सके इसके लिए लगातार आपस में एक दूसरे का उपयोग हमारे उत्थान में मजबूती ला सकता है। हमारे सामाजिक महापुरूषों का गौरवमय इतिहास हमें उनके मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है और इन्हीं सब स्मरणीय विषयों को ध्यान में रख मनोज कश्यप जी ने **www.kashyapsamaj.in** को हमारी एकता व समाज हेतू हमारी उपलब्धता के लिए प्रस्तुत किया है निश्चित ही यह कश्यप(निषाद) समाज का कल्पवृक्ष ही साबित होगी। क्योंकि भविष्य में हम इसमें शादी-विवाह, रोजगार, व्यापार, साहित्य तथा राजनैतिक व सामाजिक गतिविधियों के साथ-साथ शिक्षा के प्रसार प्रचार को समस्त कश्यप बंधुओं तक पहुँचाने के लिए दृढ़ संकल्प है। आप और आपका पूरा परिवार तथा आपके सामाजिक मित्र इसके उपयोगकर्ता बने व अपने से सम्बन्धित जानकारी इसमें शामिल करा सामाजिक उत्थान में सहभागी बनें।

आपका

संचालक